

बालविहार में

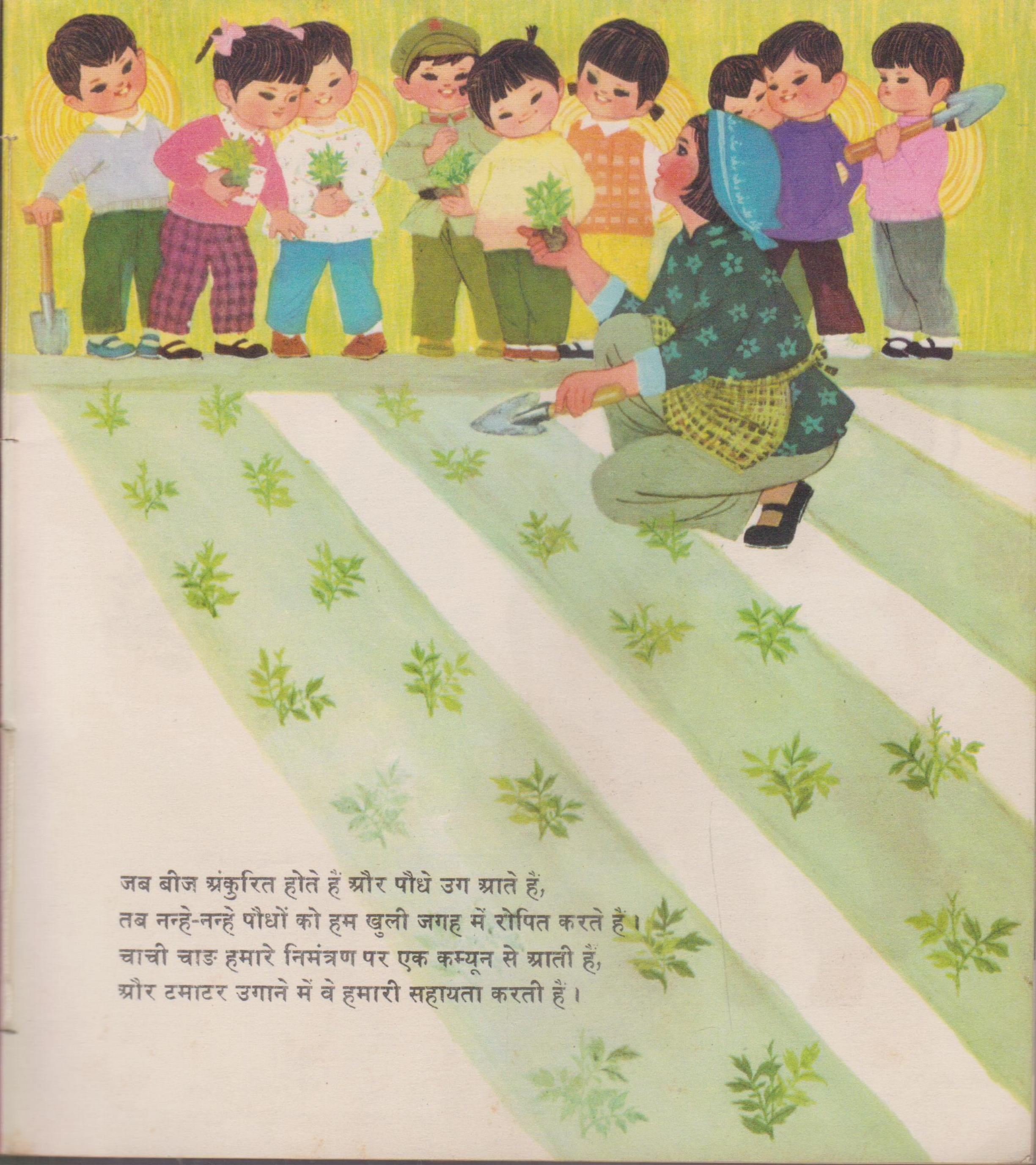
बालविहार में

विदेशी भाषा प्रकाशन-गृह
पेकिङ



बालविहार एक ऐसा स्थल, वातावरण बड़ा सजीव है जहां।
मेरे कर में बेलचा, तुम्हारे कर में फावड़ा ;
बचपन से हैं सीखते बागबानी हम सब यहां।
श्रौर प्रमुदित मन से उगाता हर कोई टमाटर वहां।





जब बीज अंकुरित होते हैं और पौधे उग आते हैं,
तब नन्हे-नन्हे पौधों को हम खुली जगह में रोपित करते हैं।
चाची चाङ हमारे निमंत्रण पर एक कम्यून से आती हैं,
और टमाटर उगाने में वे हमारी सहायता करती हैं।

चाची चाङ हमें बताती हैं :
टमाटर के पौधों की अच्छी बढ़वार हम कैसे करें।
नियमित रूप से पौधों को पानी और खाद दें,
पत्तों की छंटाई व दवा का छिड़काव करें।





श्याओ पाओ प्रति दिन भोर होते ही बाग में पहुंच जाती है
और अपने बाल-साथियों सहित पौधों को पानी देती है ।
सख्त मेहनत या पंक-मिट्टी से सभी बालक डरते नहीं,
पसीने से लथपथ हो जाने की परवाह वे करते नहीं ।



नन्हे-नन्हे पौधे पनपते हैं धूप में,
कितना मजा आता है इन पौधों को उगाने में।
चाची चाङ खेत में खाद लाती हैं,
श्याओ पाओ उसे पौधों की जड़ों के चारों ओर बिखेर देती है।

श्याग्रो पाग्रो काम से कभी थकती नहीं, धूल-धूसरित होने से भी डरती नहीं।
वह बड़े यत्न के साथ खेत में खाद फैलाती है।
"तुम एक ग्रच्छी बालिका हो," चाची चाङ उससे कहती हैं,
"तुम्हें श्रम से लगाव है ग्रौर मेहनत से काम करने की चाह है।"



जिन टहनियों पर उगते नहीं हैं फूल उन्हें हम छांट देते हैं जरूर,
क्योंकि पोषाहार ग्रहण करती वे सकल, लेकिन देती नहीं हैं एक भी फल।
अगर पौधों की अच्छी बढ़वार करनी है,
तो उन्हें पर्याप्त हवा, धूप व आहार देना जरूरी है।





मौसम शुष्क होने पर सारे कीट और कृमि बाहर निकल आते हैं ;
नन्हे-नन्हे पौधों को खाकर वे नष्ट करना चाहते हैं ।
चाची चाङ कीटनाशक दवा का मिश्रण तैयार करती है,
जिसे पौधों पर छिड़ककर हम उनका बचाव करते हैं ।



जब चाची चाङ एक जालक लगाने का आदेश देती हैं,
तो लग्गियों को मजबूती से बांधकर हम बांस का ढांचा तैयार करते हैं।
सभी लग्गियां एक दूसरे को सहारा देती हैं व एक दूसरे से सहारा लेती हैं,
और आपस में मिलकर एक मजबूत बांस के जालक का निर्माण करती हैं।





जब वायु और वर्षा का वेग पत्तियों को आलोड़ित करता है,
तब हम खेत में जाकर पौधों की रक्षा करते हैं।
फिर तूफान गुजर जाने के पश्चात पौधों की जांच करते हैं,
और सभी टमाटर सुरक्षित पाकर हर्ष से पुलकित हो जाते हैं।



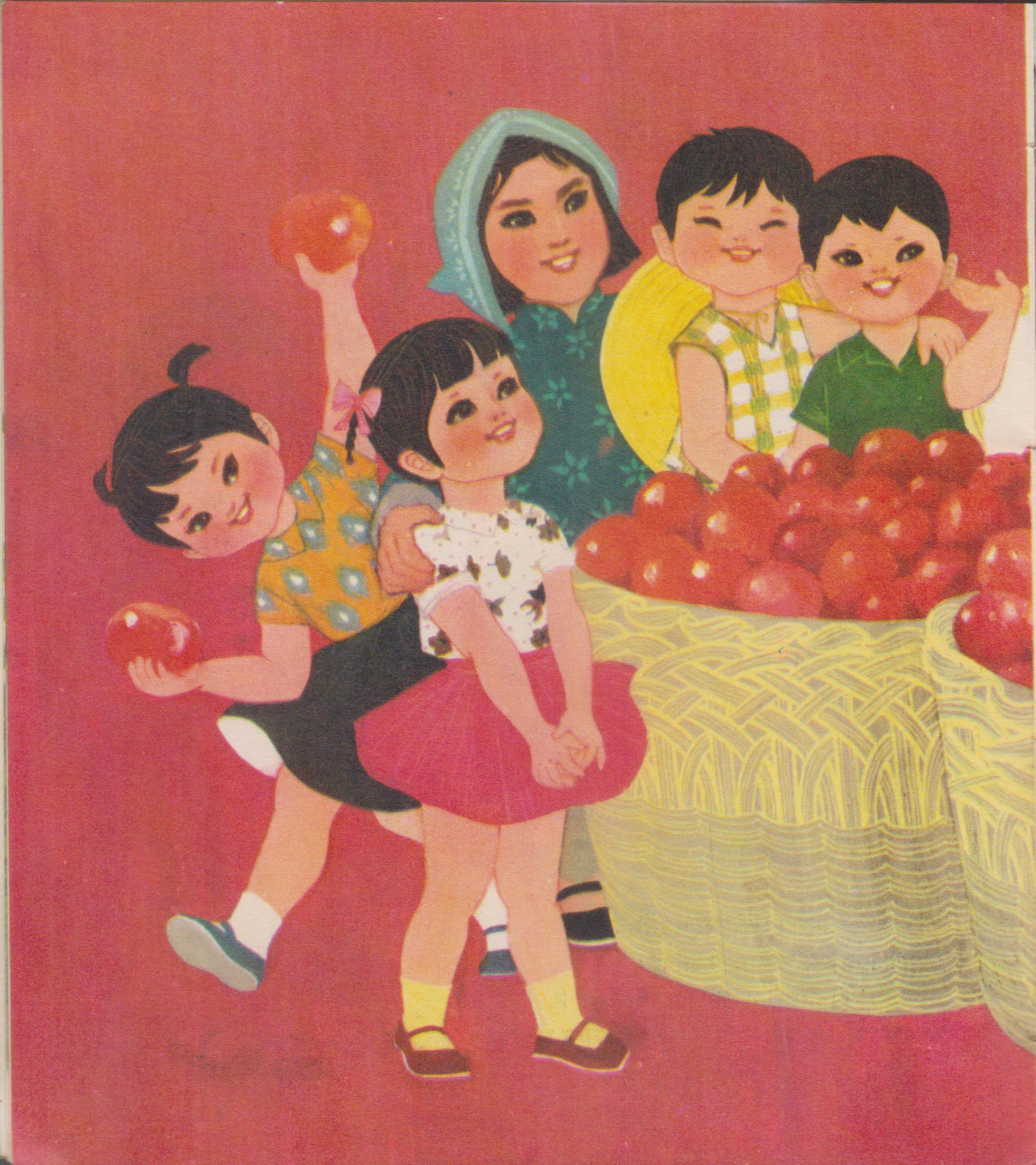
बड़े-बड़े टमाटर पौधों में लगे विपुल,
बेहद लाल, चमकदार और रसीले ।
तुम भी तोड़ो, मैं भी तोड़ूं, हम सब तोड़ें,
अपनी टोकरियों को ऊपर तक उनसे भर लें ।







चाची चाङ हमारी सराहना करती हैं,
क्योंकि हम श्रम से प्यार करते हैं।
बचपन से ही हम खेतीबारी करना सीखते हैं,
और पनपते पौधों के साथ-साथ स्वयं अपना भी विकास करते हैं।



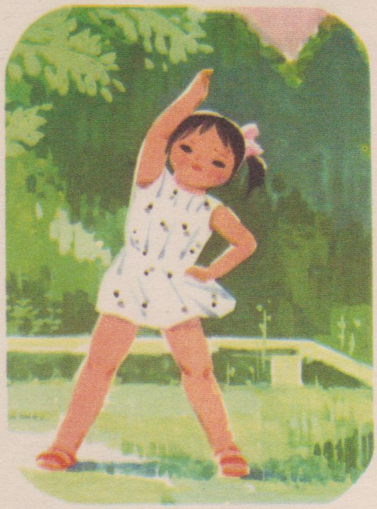


बचपन से ही अच्छी सेहत बनाओ

कहानी : लू पिङ

चित्रांकन : ऊ चिङ-लू







सीटी बजने लगी। चलो हम लोग
बाहर चलकर कसरत करें।



नन्ही ह्वा अपनी गुड़िया के साथ खेल में मग्न है।
वह डाक्टर बनकर अपनी गुड़िया का इलाज कर रही है।

नन्ही इङ दौड़ती हुई आती है और नन्ही ह्वा से कहती है, "हम लोगों को व्यायाम का प्रशिक्षण देने के लिए व्यायाम स्कूल से बड़ी दीदी हमारे यहां आई है।" "लेकिन मेरी गुड़िया को तो बुखार चढ़ा हुआ है," नन्ही ह्वा जवाब देती है।



नन्ही य्वान, नन्ही लान और नन्हा च्वाङ तथा व्यायाम स्कूल से आई बाल-प्रशिक्षिका, नन्ही ह्वा के पास आकर प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए उसे राजी करने का प्रयास करते हैं।







"आओ हम लोग संतुलन-तख्ते के ऊपर चलने का अभ्यास करें," बाल-प्रशिक्षिका सुझाव देती है। यह सुनते ही नन्ही ह्वा अपंनी कपड़े की गुड़िया और खेलने वाला डाक्टरी आला एक तरफ रखकर बाल-प्रशिक्षिका के साथ संतुलन-तख्ते की ओर चल पड़ती है।

खेल के मैदान में, च्वान, लान, च्वाङ श्रौर इङ बारी-बारी से संतुलन-तख्ते के ऊपर चलने का अभ्यास करते हैं। "अब तुम्हारी बारी है," बाल-प्रशिक्षिका नन्ही ह्वा से कहती है।







नन्ही ह्वा ने संतुलन-तख्ते पर चलने का अभ्यास इससे पहले कभी नहीं किया है, इसलिए उस पर चलते समय उसके पैर डगमगाने लगते हैं। लेकिन बाल-प्रशिक्षिका उसका हौसला बढ़ाती है, और वह संतुलन-तख्ते पर कदम-ब-कदम आगे बढ़ती हुई उसके एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंच जाती है। अन्य बच्चे उसकी सफलता पर खुशी से तालियां बजाते हैं।





नन्हा ध्वान संतुलन-तख्ते पर चढ़ जाता है और एक निर्माण-
मजदूर का अभिनय करते हुए ईंटें जमाना शुरू कर देता है।





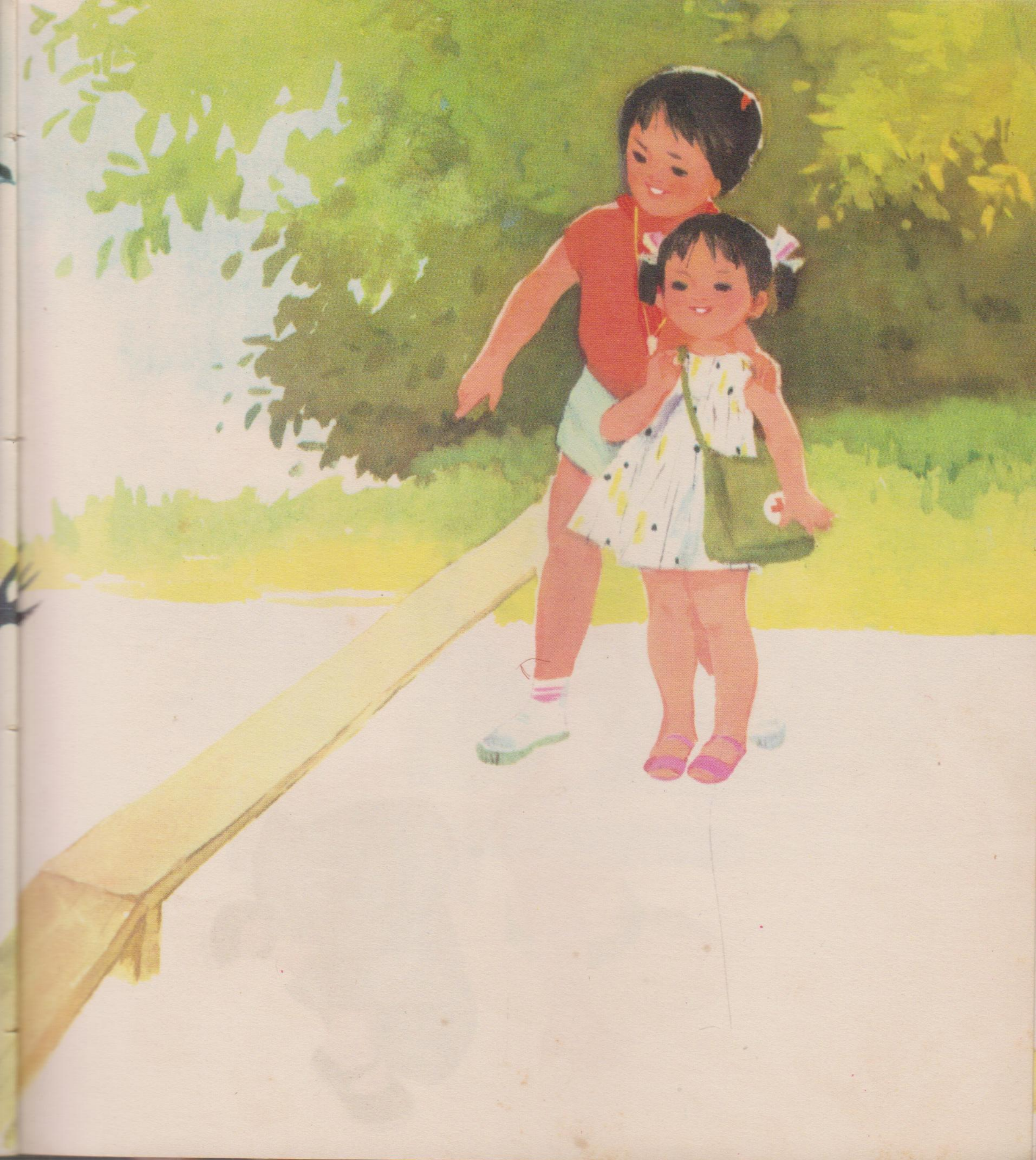
"नन्हे य्वान के टखने में मोच आ गई है," बाल-प्रशिक्षिका कहती है। यह सुनते ही नन्ही ह्वा नन्हे य्वान का "चनच्यू" (सुई चुभोकर इलाज करने की परम्परागत चीनी चिकित्सा-विधि – अनुवादक) से इलाज करने के लिए दौड़कर उसके पास पहुंच जाती है।





नन्ही लान संतुलन-तख्ते पर चलते हुए उसके दूसरी ओर पहुंच जाती है और एक बीज बोने वाले किसान का अनुकरण करती है।





"नदी के उस पार काम करते-करते नन्ही लान के पेट में अचानक दर्द होने लगा है," बाल-प्रशिक्षिका कहती है। यह सुनकर नन्ही ह्वा कहने लगती है, "मैं नदी के पार जाकर उसे कुछ दवा दूंगी।" नन्ही ह्वा संतुलन-तख्ते पर जल्दी-जल्दी चलने लगती है।







नन्हा च्वाङ खिलौने वाली बन्दूक अपने हाथ में लेकर संतुलन-तख्ते को दौड़ता हुआ पार करता है। "मैं जन-मुक्ति सेना का एक योद्धा हूं," वह चिल्लाकर कहता है, "और मैं बहादुरी से दुश्मन का मुकाबला करूंगा।"





नन्ही ह्वा नन्हे च्वाङ के सिर पर अपने रूमाल से पट्टी करती है। बाल-योद्धा उछलकर अपने पैरों पर खड़ा हो जाता है और दुश्मन पर धावा बोल देता है।







बाल-प्रशिक्षिका शारीरिक अभ्यास का निचोड़ निकालते हुए कहती है : "आज की कसरत बहुत अच्छी रही ! नन्ही ह्वा ने बड़े साहस का परिचय दिया। हमारे प्रशिक्षण का उद्देश्य महज अपने स्वास्थ्य का निर्माण करना नहीं है। इसके साथ-साथ हम 'कठिनाइयों और मौत से न डरने' की भावना के अनुरूप आचरण करना भी सीखते हैं।"





सभी बच्चे नृत्य करते हुए गाते हैं :
"सूरज के प्रकाश में सूरजमुखी के फूल मुस्कराते हैं,
हम सब अध्यक्ष माओ के श्रेष्ठ होनहार बच्चे हैं।
बचपन से ही स्वास्थ्य का निर्माण करने की ओर हमारा ध्यान है,
बड़े होकर अपना बहुमुखी विकास करना हमारा काम है,
देश की पुकार के अनुरूप आचरण करना हमारी शान है।"

हमें एक साथ काम करना व
एक साथ खेलना पसन्द है

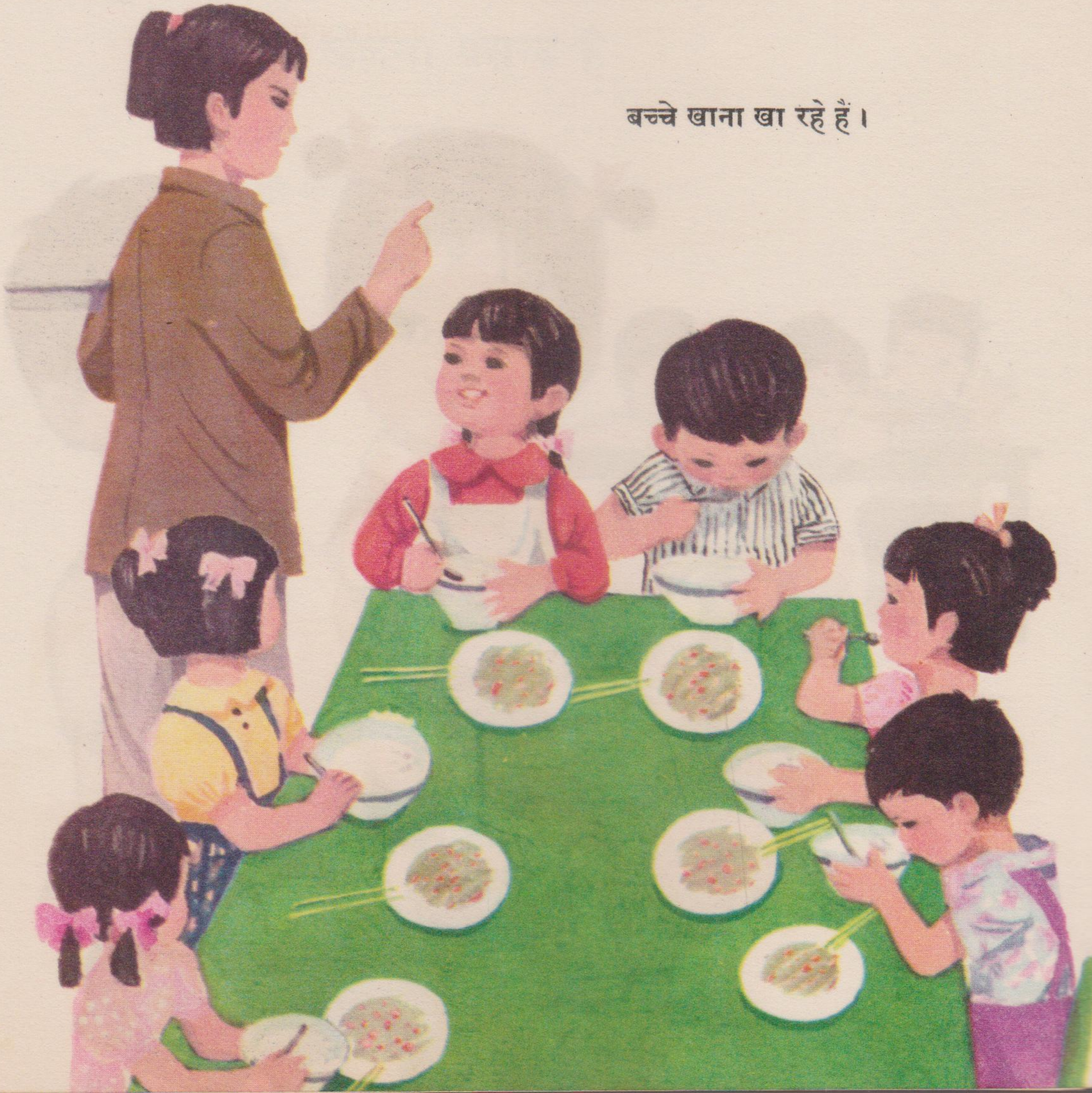
कहानी : छन पाओ-ख्वान

चित्रांकन : छन छी-युन, चङ लेइ और श्वी चङ-हुङ


值日

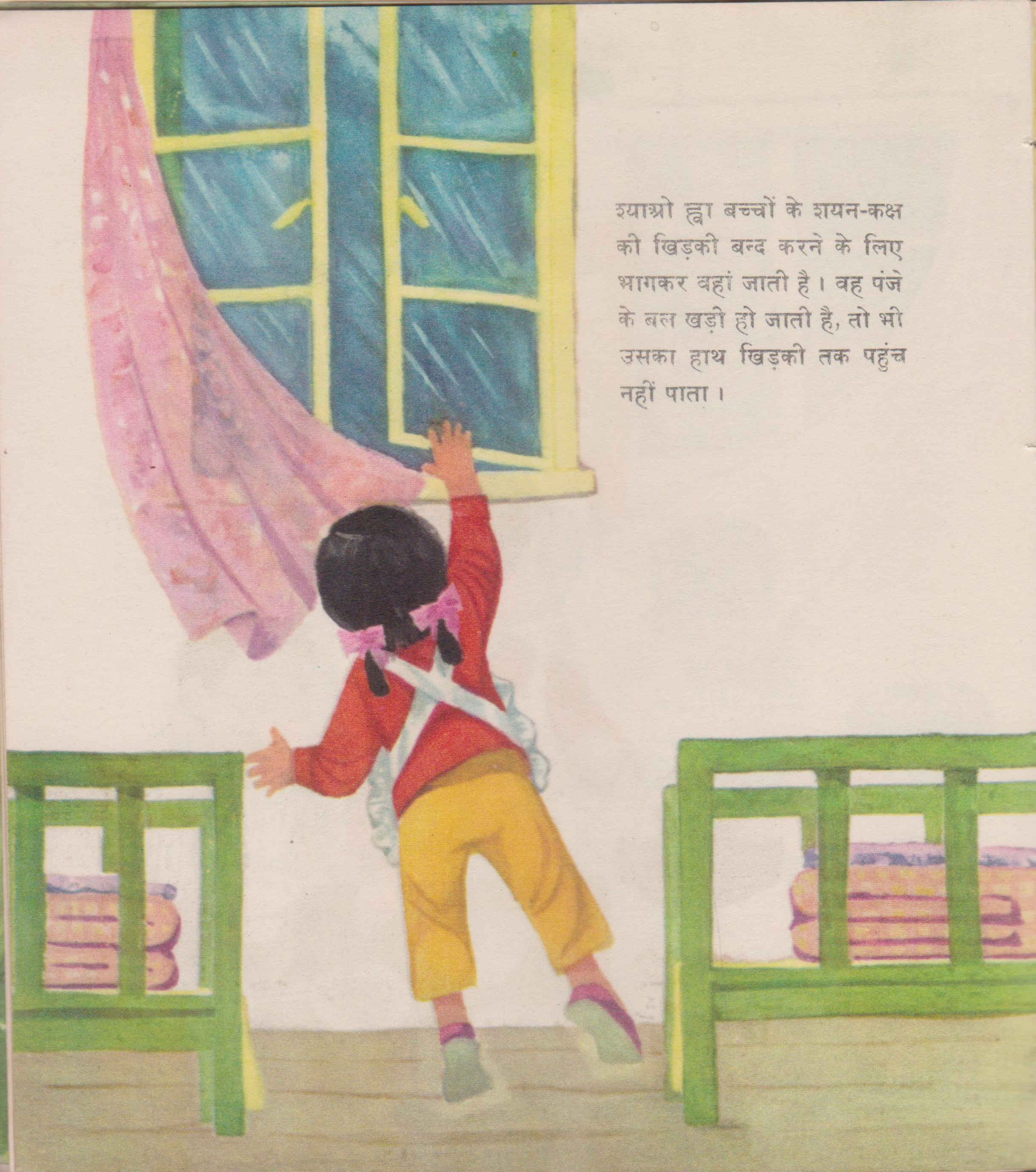
खिड़की बन्द करना

बच्चे खाना खा रहे हैं।



अचानक वर्षा होने लगती है।



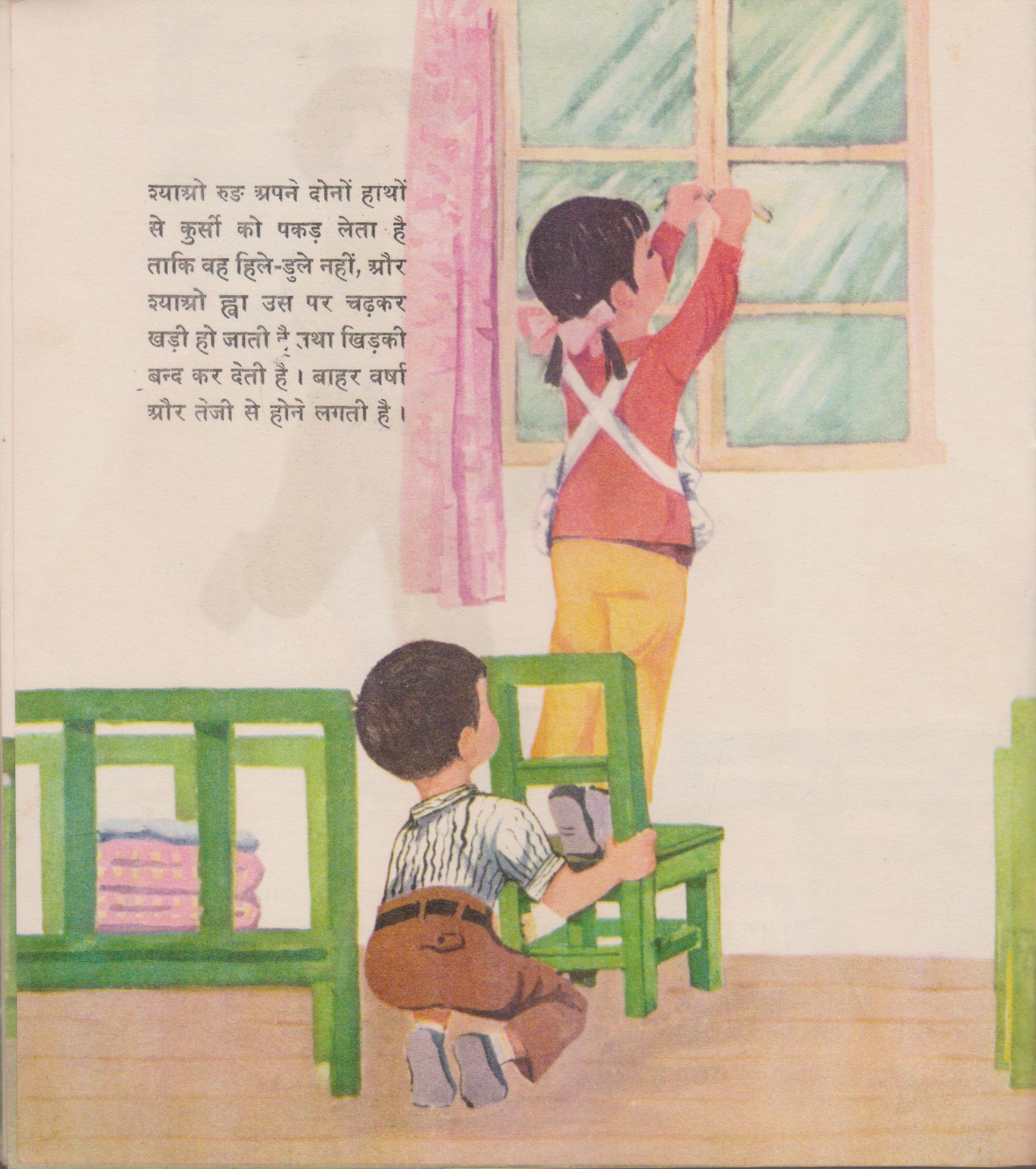


श्याओ ह्वा बच्चों के शयन-कक्ष की खिड़की बन्द करने के लिए भागकर वहां जाती है। वह पंजे के बल खड़ी हो जाती है, तो भी उसका हाथ खिड़की तक पहुंच नहीं पाता।



खिड़की बन्द करने के लिए अब क्या उपाय किया जाए ? श्याओ ह्वा एक कुर्सी लाने के लिए जाने ही वाली है कि तभी श्याओ रुङ एक कुर्सी लिए हुए वहां आ पहुंचता है ।

श्याओ रुङ अपने दोनों हाथों से कुर्सी को पकड़ लेता है ताकि वह हिले-डुले नहीं, और श्याओ ह्वा उस पर चढ़कर खड़ी हो जाती है तथा खिड़की बन्द कर देती है। बाहर वर्षा और तेजी से होने लगती है।



श्याओ रुङ और श्याओ ह्वा अपने खाने की मेज पर वापस लौट आते हैं। अन्य बच्चे कहते हैं: "समूचे दल का ख्याल रखने के बारे में हमें श्याओ रुङ और श्याओ ह्वा से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।"





निर्माण-गुटकों से निर्माण करना



श्याओ मिङ आज ड्यूटी पर है। वह निर्माण-गुटकों का डिब्बा लिए हुए कक्षा में आती है। उसे देखते ही सभी बच्चे उसकी ओर दौड़ पड़ते हैं।

जैसे ही श्याओ मिङ गुटकों का डिब्बा मेज पर रखती है, श्याओ थाओ उसमें से कुछ गुटके अपने लिए अलग निकाल लेना चाहता है। श्याओ मिङ उसे मना करते हुए कहती है : "ऐसा मत करो। हम सब मिलकर गुटकों से निर्माण करेंगे।"







श्याओ मिङ खड़ी होकर जवाब देती है : "अगर वे ऐसा कर लेते तो पुल का निर्माण नहीं किया जा सकता था। क्यों न हम लोग इन गुटकों की मदद से एक पुल ही बना डालें !" श्याओ थाओ और अन्य सभी बच्चे खुशी से चिल्ला पड़ते हैं : "हां ठीक है, हम लोग पुल बनाएंगे।"



एक-एक गुटका जोड़ते हुए, सभी बच्चे मिलकर याङत्सी नदी के पुल का एक सुन्दर नमूना तैयार करते हैं। पुल का निर्माण पूरा हो जाने पर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता, और वे हाथ में हाथ डालकर उसके चारों ओर नाचने लगते हैं।

सामुदायिक भावना से काम करना

अनेक बच्चे दौड़ते हुए पिङपाङ की मेज पर जा पहुंचते हैं। प्रत्येक बच्चा चाहता है कि उसी को पहले खेलने का मौका मिले।





श्याओ छ्याङ सुझाव देता है : "हम सब एक पंक्ति में खड़े हो जाएं और बारी-बारी से खेलें।" उसका यह सुझाव अन्य बच्चों को पसन्द आ जाता है।



वे अपने को अलग-अलग टीमों में विभाजित कर लेते हैं। श्याओ छ्याङ कहता है : "तुम लोग खेलना शुरू करो, और मैं रेफरी बनता हूं।" सभी बच्चे खुशी-खुशी खेलने लगते हैं।



तभी एक बच्चा भागता हुआ आता है और पिङ्पाङ की गेंद पर अचानक उसका पैर पड़ जाता है, जिससे गेंद पिचक जाती है और उछलना बन्द कर देती है।

श्याओ छ्याङ पिचकी हुई गेंद को एक गिलास के अन्दर गर्म पानी में रख देता है, जिससे वह फूलकर फिर गोल हो जाती है।





श्याओ छ्याङ गेंद लेकर वापस आता है। सभी बच्चे उसकी प्रशंसा में तालियां बजाते हैं। लेकिन वह कहता है : "मैंने कोई बड़ा काम नहीं किया है; समुदाय की सेवा करना तो मेरा कर्तव्य है।"

प्रथम संस्करण १६७८
चीन लोक गणराज्य में मुद्रित

在幼儿园里
普 红 鲁 兵 陈宝元 编
尹家琅 吴徽芦 陈其云 等绘
*
外文出版社出版（北京）
1978年（24开）第一版
编号：（印地）8050—1805
00075
88—H—145P